SUCCESS KEY TEST SERIES

X (English)

(Unit Test- 4 Hindi (II Term Ch-7,8,9,10,11))

Hindi-

DATE:

TIME: 1 Hour 30 Min

MARKS: 40

SEAT NO:

प्र. १ परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (गद्य) **8**

A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1) नागरजी ने भ्रमण किया

2) पुराने साहित्यकारों में नगरजी के आस आदर्श रचनाकर — नाम, रचना

तिवारी जीः	नागर जी, आप अपने समय के और कौन-कौन से लेखकों के संपर्क-प्रभाव में रहे ?
नागर जीः	जगन्नाथदास रत्नाकर, गोपाल राय गहमरी, प्रेमचंद, किशोरी लाल गोस्वामी, लक्ष्मीधर वाजपेयी आदि के नाम याद आते हैं	माधव शुक्ल हमारे यहाँ आते थे	वे आजानुबाहु थे, ढीला कुरता पहनते थे और कुरते की जेब में जलियाँवाला बाग की खून सनी मिट्टी हमेशा रखे रहते थे	१९३१ से ३७ तक मैं प्रतिवर्ष कोलकाता जाकर शरतचंद्र से मिलाता रहा, उनके गाँव भी गया	
तिवारी जीः	पुराने साहित्यकारों में आप किसको अपना आदर्श मानते हैं ?
नागर जीः	तुलसीदास को तो मुझे घुट्टी में पिलाया गया है	बाबा, शाम को नित्य प्रति 'रामचरितमानस' मुझसे पढ़वाकर सुनते थे	श्लोक जबरदस्ती याद करवाते थे	
तिवारी जीः	नागर जी, आपने 'खंजन नयन' में सूरदास के चमत्कारों का बहुत विस्तार से वर्णन किया है	क्या इनपर आपका विश्वास है ?
नागर जीः	नेत्रहीनों के चमत्कार हमने बहुत देखे हैं	उनकी भविष्यवाणियाँ कभी-कभी बहुत सच होती हैं	सूरपंचशती के अवसर पर काफी विवाद चला था कि सूर जन्मांध थे या नहीं	सवाल यह है कि देखता कौन है ? आँख या मन ? आँख माध्यम है, देखने वाला मन है	
तिवारी जीः	आपने क्या कभी अपने लिखने की सार्थकता की परख की है ?
नागर जीः	हाँ, मेरे पास बहुत से पत्र आते हैं	मेरे उपन्यासों के बारे में, खास तौर से जिनसे पाठकीय प्रतिक्रियाओं का पता चलता है	
तिवारी जीः	नागर जी, आपने भ्रमण तो काफी किया है ...
नागर जीः	हाँ, पुरे अखंड भारतवर्ष का	पेशावर से कन्याकुमारी तक	बंगाल से कश्मीर तक	इन यात्राओं का यह लाभ हुआ कि मैंने कैरेक्टर (चरित्र) बहुत देखे और उनके मनोविज्ञान को भी समझने का मौका मिला	

A2) i) वाक्य पूर्ण कीजिए :- 1

अखंड भारतवर्ष के भ्रमण से लेखक को लाभ हुआ कि ..... .

ii) एक-एक शब्द में उत्तर लिखिए :- 1

1) आजानबहु थे - .....

2) नागर जी के प्रिय आलोचक - .....

A3) i) उचित विराम चिह् न लागाइए 1

नागर जी अपने भ्रमण तो काफी किया है

ii) समानार्थी शब्द अनुच्छेद से ढूँढकर लिखिए :- 1

1) आँख - .....

2) पत्र - .....

A4) स्वमत :- 2

'भ्रमण से होने वाले लाभ' इस विषय पर विचार लिखिए|

प्र. २ परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (पद्य) **6**

A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1) 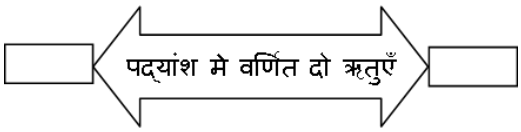

2) 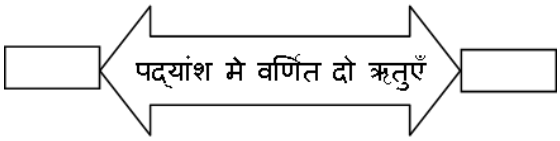

बीत गया हेमंत भ्रात, शिशिर ऋतु आई ! प्रकृति हुई द्युतिहीन, अवनि में कुंझटिका है छाई |
पड़ता खूब तुषार पद्मदल तालों में बिलखाते, अन्यायी नृप के दंडों से यथा लोग दुख पाते |
निशा काल में लोग घरों में निज-निज जा सोते हैं, बाहर श्वान, स्यार चिल्लाकर बार-बार रोते हैं |
अर्द्धरात्रि को घर से कोई जो आँगन को आता, शून्य गगन मंडल को लख यह माँ में है भय पाता |

A2) i) निम्नलिखित वाक्य सत्य या असत्य हैं पहचानकर लिखिए :- 1

1) शून्य गगन मंडल को देखकर मन डरता है |

2) लोग दिन में घरों में सोते है

ii) निम्मलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए :- 1

1) श्वान - ☐

2) अवनि - ☐

A3) भावार्थ लिखिए :- 2

बीत गया हेमंत भ्रात, शिशिर ऋतु आई !

प्रकृति हुई द्युतिहीन, अवनि में कुंझटिका है छाई | पड़ता खूब तुषार पद्मदल तालों में बिलखाते,
अन्यायी नृप के दंडों से यथा लोग दुख पाते |

प्र. ३ अ पठित पद्यांश का सूचना के अनुसार विश्लेषण कीजिए। **6**

'समता की ओर' कविता का पद्य विश्लेषण निम्न मुद्दों के आधार पर कीजिए |

i.	कवि का नाम	1
ii.	काव्य प्रकार	1
iii.	पसंदीदा पंक्ति	1
iv.	पसंदीदा होने का कारण	1
v.	कविता से प्राप्त संदेश / प्रेरणा	2

ब) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए - (गद्य पूरक पठन) **4**

A1) i) घटनानुसार उचितक्रम लगाकर वाक्य फिर से लिखिए 1

1) जरा ढोल-मंजीरा ला दो।
2) भला चाहती हो तो कोठरी में जाकर बैठो।
3) बुद्धिराम के द्वार पर शहनाई बज रही थी।
4) "आह ! कैसी सुगंध है।"

ii) कारण लिखिए :- 1

अंग्रेजी पढे नवयुवक उदासीन थे।

रात का समय था । बुद्धिराम के द्वार पर शहनाई बज रही थी और गाँव के बच्चों का झुंड विस्मयपूर्ण नेत्रों से गाने का रसास्वादन कर रहा था । चारपाइयों पर मेहमान विश्राम कर रहे थे । दो-एक अंग्रेजी पढ़े हुए नवयुवक इन व्यवहारों से उदासीन थे । वे इस गँवार मंडली में बोलना अथवा सम्मिलित होना अपनी प्रतिष्ठा के प्रतिकूल समझते थे ।

आज बुद्धिराम के बड़े लड़के मुखराम का तिलक आया था । यह उसी का उत्सव था । घर के भीतर स्त्रियाँ गा रही थीं और रूपा मेहमानों के लिए भोजन के प्रबंध में व्यस्त थीं । भट्ठियों पर कड़ाह चढ़ रहे थे । एक में पूड़ियाँ-कचौड़ियाँ निकल रही थीं, दूसरे में अन्य पकवान बन रहे थे । एक बड़े हंडे में मसालेदार तरकारी पक रही थी । घी और मसाले की क्षुधावर्धक सुगंध चारों ओर फैली हुई थी ।

बूढ़ी काकी अपनी कोठरी में शोकमय विचार की भाँति बैठी हुई थीं । यह स्वाद मिश्रितसुगंध उन्हें बेचैन कर रही थी ।

'आह! कैसी सुगंध है ? अब मुझे कौन पूछता है ? जब रोटियों ही के लाले पड़े हैं तब ऐसे भाग्य कहाँ कि भरपूर पूड़ियाँ मिलें ?' यह विचार कर उन्हें रोना आया, कलेजे में हूक-सी उठने लगी परंतु रूपा के भय से उन्होंने फिर मौन धारण कर लिया ।

फूल हम घर में भी सूँघ सकते हैं परंतु वाटिका में कुछ और बात होती है । इस प्रकार निर्णय करके बूढ़ी काकी हाथों के बल सरकती हुई बड़ी कठिनाई में चौखट से उतरीं और धीर-धीरे रेंगती हुई कड़ाह के पास आ बैठीं ।

रूपा उस समय कार्य भार से उद्विग्न हो रही थी । कभी इस कोठे में जाती, कभी उस कोठे में, कभी कड़ाह के पास आती, कभी भंडार में जाती । किसी ने बाहर से आकर कहा-'महाराज ठंडाई माँग रहे हैं ।' ठंडाई देने लगी । आदमी ने आकर पूछा-'अभी भोजन तैयार होने में कितना विलंब है ? जरा ढोल-मंजीरा उतार दो ।' बेचारी अकेली स्त्री दौड़ते- दौड़ते व्याकुल हो रही थी, झुँझलाती थी, कुढ़ती थी, परंतु क्रोध प्रकट करने का अवसर न पाती थी । भय होता, कहीं पड़ोसि नें यह न कहने लगें कि इतने में उबल पड़ीं । प्यास से स्वयं कंठ सूख रहा था । गर्मी के मारे फुँकी जाती थी परंतु इतना अवकाश भी नहीं था कि जरा पानी पी ले अथवा पंखा लेकर झले । यह भी खटका था कि जरा आँख हटी और चीजों की लूट मची । इस अवस्था में उसने बूढ़ी काकी को कड़ाह के पास बैठी देखा तो जल गई । क्रोध न रुक सका । वहबूढ़ी काकी पर झपटी और उन्हें दोनों हाथों से झटककर बोली-"ऐसे पेट में आग लगे, पेट है या भाड़ ? कोठरी में बैठते हुए क्या दम घुटता था ? अभी मेहमानों ने नहीं खाया, भगवान को भोग नहीं लगा, तब तक धैर्य न हो सका ? आकर छाती पर सवार हो गई । इतना ठूँसती है न जाने कहाँ भस्म हो जाता है । भला चाहती हो तो जाकर कोठरी में बैठो, जब घर के लोग खाने लगेंगे तब तुम्हें भी मिलेगा । तुम कोई देवी नहीं हो कि चाहे किसी के मुँह में पानी न जाए, परंतु तुम्हारी पूजा पहले ही हो जाए ।"

A2) स्वमत :- 2

मन पर नियंत्रण न होने के दुष्परिणामों के बारे में लिखिए।

प्र. ४. १ सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए **1**

बिल्ली डटकर खीर उड़ाती है। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

२ निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए **1**

सूरज निकला और प्रकाश फैल गया ।

३ मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए **1**

तशरीफ लाना -

४ निम्नलिखित शब्द का प्रयोग अपने वाक्य में कीजिए **1**

कीर्ति

५ वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए **1**

ये पशु बड़ा भयानक है।

६ निम्न क्रियाओं के प्रथम एवं द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए **1**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्‌वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
i) मोड़ना	मुड़ाना	.....
ii) मानना	मनाना	.....

प्र. ५ पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए (औपचारिक) **5**

व्यवस्थापक लायंस स्पोर्ट्स सेंटर अमरावती / खेल सामग्री मँगवाने हेतु / श्याम / श्यामा ठाकुर, नेताजी सुभाषचंद रोड, अकोला से |

प्र. ६ निम्नलिखित मुद्दों के आधार से लगभग 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए **5**

विज्ञापन लिखिए।